पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राजभवन सूचना परिसर)

राज्यपाल से मिलकर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति और प्राध्यापकों ने 'पी0एम0 ऊषा' से 100 करोड़ ग्रांट मंजूरी पर जताया आभार

विश्वविद्यालय के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बेहतर करने और नैक के अनुरूप गुणवत्ता सुधार में हो ग्रांट का उपयोग

विश्वविद्यालय के आवश्यक निर्माण कार्यों और सुविधा विकास में बड़ी संस्थाओं के सी0एस0आर0 फंड हेतु प्रयास करें

योजना बनाकर धनराशि का बेहतर उपयोग करें

-राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

राज्यपाल के मूल्यवान दिशा-निर्देश से लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली विश्वस्तरीय पहचान

-कुलपति, प्रो0 आलोक रॉय

लखनऊ : 06 मार्च, 2024

प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल से आज यहाँ राजभवन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति श्री आलोक रॉय ने प्राध्यापकों एवं अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात की। उन्होंने हाल ही में विश्वविद्यालय को प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान के तहत मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट के लिए राज्यपाल जी का विशेष आभार व्यक्त किया। कुलपति श्री राय तथा विश्वविद्यालय के अध्यापकों और अधिकारियों ने इस अवसर पर राज्यपाल जी को अंगवस्त्र, समृति चिह्न एवं पुष्प भेंट कर सम्मानित किया।

राज्यपाल जी ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय को प्राप्त ग्रांट का बेहतर उपयोग करने, नैक के अनुरूप विश्वविद्यालय को सुदृढ़ करने और निरंतर गुणवत्ता

सुधार करने हेतु व्यय निर्धारण पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने विश्वविद्यालय को प्राप्त धन का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग करने पर विशेष जोर दिया और कहा कि विश्वविद्यालय के आवश्यक निर्माण कार्यों और सुविधाओं के विकास के लिए बड़ी संस्थाओं के सी0एस0आर0 फंड से धन प्राप्त करने का प्रयास करें। उन्होंने धनराशि के बेहतर उपयोग के लिए योजना बनाकर कार्य करने पर जोर दिया। इस दिशा में उन्होंने चिकित्सा संस्थानों द्वारा मंहगें उपकरण किराए पर लेकर उपयोग करने, पैथोलॉजी लैब को किराए पर देकर रेवेन्यु जेनरेट कराने के अपने कार्यकाल के पूर्व अनुभवों को भी साझा किया। इसी क्रम में उन्होंने विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की कार्य क्षमताओं की समीक्षा करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कर्मचारी हित में समय से मिलने वाले प्रमोशन में समय हानि न होने देने हेतु अपनी कार्य–प्रणाली और दृढ़ता से कार्य करने के अनुभव भी साझा किए।

मुलाकात के दौरान कुलपति ने जानकारी दी की मंजूर हुई 100 करोड़ की ग्रांट को पांच सालों में उपयोग किया जा सकेगा, जिसका 60 प्रतिशत केन्द्र सरकार द्वारा तथा 40 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा प्रदान किया जायेगा। उन्होंने राज्यपाल जी से ग्रांट के उपयोग पर भी विचार साझा किए, जिसमें मल्टी डिसिप्लिनरी एजुकेशन सिस्टम, लाइब्रेरी में वाई–फाई सुविधा, लेक्चर थियेटर काम्पलेक्स जैसी विश्व स्तरीय सुविधाओं के विकास की चर्चाएं की। उन्होंने कहा कि राज्यपाल जी के दिशा निर्देशों से ही आज लखनऊ विश्वविद्यालय विश्वस्तर पर अपनी पहचान सुनिश्चित कर रहा है। कुलपति के साथ आए प्राध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए राज्यपाल जी के मूल्यवान दिशा–निर्देशों के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि 100 करोड़ की ग्रांट प्राप्त होना ऐतिहासिक है जो कि उनके निर्देशन में प्राप्त हो रही उपलब्धियों का ही परिणाम है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ0 विनोद कुमार सिंह, उप कुलपति प्रो0 अरविंद अवस्थी, चीफ प्राक्टर श्री राकेश त्रिवेदी, हेड प्रो0 डी0के0 सिंह, प्रो0 केया पाण्डेय, प्रो0 डी0के0 सिंह तथा प्रो0 अरूप चक्रवर्ती सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

————

डॉ. सीमा गुप्ता,
सहायक निदेशक, राजभवन
सम्पर्क सूत्र–8318116361